

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2015-16

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठयक्रम
ई.सी.ओ.-06 : आर्थिक सिद्धान्त

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 प्रवेश सत्र के लिए



प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली -1100 68

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ.-06: आर्थिक सिद्धान्त

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् (जुलाई 2015 और जनवरी 2016) के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :-

1. जो जुलाई 2015, में पंजीकृत है उनकी वैधता जून 2016 तक है।
2. जो जनवरी 2016, में पंजीकृत है उनकी वैधता दिसम्बर 2016 तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें 15 मार्च तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे 15 सितम्बर तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	ई.सी.ओ.-06
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	आर्थिक सिद्धान्त
सत्रीय कार्य का कोड	:	ई.सी.ओ.-06 / टी.एम.ए. / 2015-16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. समसीमांत उपयोगिता नियम की विवेचना कीजिए। एक चित्र की सहायता से समझाये कि एक क्रेता संतुलन कैसे प्राप्त करता है?
(20)
2. माँग की लोच से आप क्या समझते हैं? माँग की कीमत लोच का मापन आप किस प्रकार करेंगे?
(20)
3. उत्पादन संभावना वक्र से आप क्या समझते हैं। उपयुक्त उदाहरण देकर स्पष्ट करें।
(20)
4. पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत फर्म के अल्पकालीन संतुलन की उपयुक्त चित्र की सहायता से व्याख्या कीजिए।
(20)
5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:
(क) उपयोगिता विश्लेषण की संख्यात्मक विधि
(ख) आभासी लगान
(ग) माँग का विस्तार
(घ) प्रतियोगी मजदूरी
(4×5)